पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने जनपद गोरखपुर में गोवर्धन पूजा कर प्रदेशवासियों एवं सभी गोपालकों को बधाई दी

गोवर्धन पूजा भारत की कृषि प्रधान और ऋषि परम्परा का महत्वपूर्ण पर्व, प्राचीन काल से ही भारतीय परम्परा में गाय और गोवंश के महत्व को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई : मुख्यमंत्री

गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय जीवन–दर्शन और समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार, गाय अपने आपमें समृद्धि का खजाना

धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति में गाय और गोवंश की महत्वपूर्ण भूमिका

उ0प्र0 सरकार ने निराश्रित गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर अभिनव कार्यक्रम प्रारम्भ किये

प्रदेश में गोवंश संरक्षण के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित, इन योजनाओं का उद्देश्य केवल निराश्रित गोवंश को आश्रय देना ही नहीं, बल्कि किसानों और पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना

समाज में जो लोग धर्मार्थ भाव से गोशालाओं का संचालन कर रहे हैं, उनके कार्यों में भी सहभागी बनना चाहिए

लखनऊ : 09 नवम्बर, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी आज जनपद गोरखपुर में गोवर्धन पूजा कर प्रदेशवासियों एवं सभी गोपालकों को बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दीपावली के उपरान्त गोवर्धन पूजा भारत की कृषि प्रधान और ऋषि परम्परा का महत्वपूर्ण पर्व है। भारत जैसे धर्मप्राण एवं कृषि प्रधान देश में गाय हमारी संस्कृति, परम्परा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आत्मा है। प्राचीन काल से ही भारतीय परम्परा में गाय और गोवंश के महत्व को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसी परम्परा का निर्वहन दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा के रूप में किया जाता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय जीवन–दर्शन और समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार है। गाय अपने आपमें समृद्धि का खजाना है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति में गाय और गोवंश की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिस भी समाज और परम्परा में गाय तथा गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए ईमानदारीपूर्वक प्रयास किए जाते हैं, वहां सुख और समृद्धि का मार्ग स्वतः प्रशस्त होता है। भारतीय संस्कृति में गो–सेवा को पुण्य और लोककल्याण का माध्यम माना गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इसी गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने निराश्रित गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर अभिनव कार्यक्रम प्रारम्भ किये हैं। हमें हर हाल में गाय की रक्षा करनी है। गोवंश के संरक्षण के साथ–साथ उसकी नस्ल सुधार की दिशा में भी प्रभावी प्रयास करने होंगे। प्रदेश में 7,700 से अधिक गो–आश्रय स्थलों के माध्यम से 16 लाख से अधिक निराश्रित गोवंश का संरक्षण किया जा रहा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आश्रय, समुचित देखभाल

और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराया जाए। प्रदेश में गोवंश संरक्षण के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य केवल निराश्रित गोवंश को आश्रय देना ही नहीं, बल्कि किसानों और पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा गोवंश को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ना भी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार की सहभागिता योजना के अन्तर्गत कोई भी किसान निराश्रित गो–आश्रय स्थल से गोवंश लेकर उसका पालन–पोषण कर सकता है। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से प्रत्येक गाय के भरण–पोषण हेतु 1,500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। एक किसान अधिकतम चार गोवंश का पालन कर सकता है। इस प्रकार चार गायों का पालन करने वाले किसान को प्रतिमाह 6,000 रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है। योजना के अंतर्गत गोवंश के पालन–पोषण और सम्बन्धित व्यवस्थाओं का सत्यापन भी किया जाता है। यह योजना किसानों को अतिरिक्त आय उपलब्ध कराने के साथ–साथ निराश्रित गोवंश को परिवार आधारित संरक्षण प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे किसान गोपालन के माध्यम से अपनी आय बढ़ा सकते हैं और गोवंश के संरक्षण में भी सहभागी बन सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार की एक अन्य योजना के अन्तर्गत कुपोषित परिवारों को निराश्रित गो–आश्रय स्थलों से एक–एक गाय उपलब्ध कराई जाती है। इसका उद्देश्य परिवारों को दूध की उपलब्धता सुनिश्चित कराना तथा बच्चों और परिवार के सदस्यों के पोषण स्तर में सुधार करना है। इसके साथ ही गाय के भरण–पोषण के लिए सम्बन्धित परिवार को 1,500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता भी दी जाती है। इस योजना का लाभ बड़ी संख्या में किसानों और कुपोषित परिवारों ने प्राप्त किया है। यह पहल गोवंश संरक्षण को जनकल्याण और पोषण अभियान से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए राज्य सरकार स्वयं भी व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं संचालित कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन विभाग के माध्यम से गो–आश्रय स्थलों का संचालन किया जा रहा है, जबकि नगरीय क्षेत्रों में नगर विकास विभाग द्वारा कान्हा गोशालाओं का संचालन किया जाता है। इन सभी व्यवस्थाओं के पीछे सरकार का एक ही उद्देश्य है कि गोवंश सड़कों पर निराश्रित अवस्था में न घूमे, किसानों की फसलों को नुकसान न पहुंचाए और प्रत्येक गोवंश को सुरक्षित एवं सम्मानजनक आश्रय उपलब्ध हो। इसी उद्देश्य से गो–आश्रय स्थलों की स्थापना की गई है और राज्य सरकार इन्हें प्रभावी ढंग से संचालित कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि भारतीय परम्परा में भोजन का पहला ग्रास गाय तथा अंतिम ग्रास स्वान के लिए निकालने की परम्परा रही है। प्रत्येक परिवार को अपनी परम्परा का निर्वहन करते हुए गाय एवं स्वान के हिस्से का भोजन और उसके भरण–पोषण के लिए यथासम्भव योगदान देना चाहिए। इसके साथ ही समाज में जो लोग धर्मार्थ भाव से गोशालाओं का संचालन कर रहे हैं, उनके कार्यों में भी सहभागी बनना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति स्वयं गाय का पालन करने में सक्षम नहीं है, तो वह अपने आसपास संचालित गोशालाओं को सहयोग प्रदान कर सकता है। समाज के प्रत्येक परिवार को गोवंश संरक्षण के इस अभियान में सहयोग करना चाहिए।

————————